हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बरेली, उत्तर प्रदेश, 16 [illegible] www.livehindustan.com

गौतम की गंभीर सलाह

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का कहना है कि डोपिंग हर खेल के लिए खतरनाक है चाहे वह क्रिकेट हो या एथलेटिक्स। खिलाड़ियों को इससे दूर ही रहना चाहिए।

16/05/2012

देशभर के टॉपर विद्यार्थियों को वैज्ञानिक बनने का प्रोत्साहन

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार (डीएसटी) देश भर के सभी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से टॉप करने वाले विद्यार्थियों को वैज्ञानिक बनाने की योजना पर काम कर रहा है। मंत्रालय देशभर के शोध संस्थानों में बेहतर वैज्ञानिकों की कमी को पूरा करने के लिए देश के एक प्रतिशत टॉपर्स को शोध क्षेत्र से जोड़ने के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर रहा है। देश भर के इन चुनिंदा टॉपर्स को तीन अलग अलग स्तर पर अनुदान भी दिया जाएगा। बरेली में भी विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देने के लिए एसआरएमएस में पांच दिवसीय कार्यक्रम शुरू किया गया है। जिसमें इस योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

भविष्य में देश को टेक्नोलॉजी खरीदने के लिए विदेशों का मोहताज नहीं होना पड़े इसके लिए डीएसटी के सचिव टी रामा स्वामी 2020 तक आईटी में बेहतर वैज्ञानिकों की पूर्ति की बुनियाद खड़ी करना चाहते हैं। इस योजना को पूरा करने की कवायद मंगलवार को बरेली में भी शुरू हुई है।

क्या है योजना

एसआरएमएस में शुरू हुए इस कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर रजनीश अग्रवाल ने बताया कि डीएसटी के सचिव टी रामा स्वामी का मानना है कि आईटी क्षेत्र में बेहतर वैज्ञानिकों की कमी है। इस कमी को पूरा करने के लिए इंटर के बाद इंजीनियरिंग और मेडिकल के क्षेत्र में जाने वाले विद्यार्थियों को शोध कार्य के क्षेत्र में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इसका उद्देश्य यह है कि देश के विभिन्न शोध केंद्रों में देश के प्रतिभावान विद्यार्थियों के जरिए टेक्नोलॉजी तैयार कराई जाएगी। ताकि विदेशों से न खरीदना पड़े।

इस योजना के तहत विद्यार्थियों को तीन चरणों में अनुदान दिया जाएगा। पहले चरण में 10 से 15 साल के विद्यार्थियों को पांच हजार रुपए सालाना छात्रवृत्ति दी जाएगी। दूसरे चरण में 17 से 22 साल के विद्यार्थियों को 80 हजार रुपए सालाना और इसके बाद 22 से 32 साल के विद्यार्थियों को 20 हजार रुपए सालाना की रिसर्च फेलोशिप दी जाएगी।

एसआरएमएस में उद्घाटन

बरेली में भी विद्यार्थियों को इस योजना की जानकारी देने के लिए एक पांच दिवसीय इंस्पायर (इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर्ड रिसर्च) इंटर्नशिप-2012 कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इस कार्यक्रम के लिए डीएसटी द्वारा 13 लाख रुपए का अनुदान दिया है। मंगलवार को इस कार्यक्रम का उद्घाटन एसआरएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हुआ। जिसके मुख्य अतिथि जीबीटीयू के कुलपति प्रोफेसर कृपाशंकर थे। मुख्य वक्ता आईआईटी कानपुर के रिटायर प्रोफेसर स्नेह कुमार डोगरा थे।

प्रतिभाओं की तलाश को आयोजन

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार देश भर के सभी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से टॉप करने वाले विद्यार्थियों को वैज्ञानिक बनाने की योजना पर काम कर रहा है। बरेली में भी विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देने के लिए एसआरएमएस में मंगलवार से पांच दिवसीय कार्यक्रम शुरू हुआ। • हिन्दुस्तान